श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

# यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 25 * अंक : 12 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 सितम्बर 2019 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये


## गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में पिपलौदा नगर में उपधान तप प्रारम्भ

उदयपुर, (स. सं),

परम पूज्य पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति, धर्मदिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ राजेन्द्र-यतीन्द्र-जयन्तसेन वाटिका, पिपलौदा (म. प्र.) की धर्मधरा पर भव्य चातुर्मासिक आयोजनों के अन्तर्गत पर्वाधिराज पर्युषण की आराधना तप-त्याग एवं साधना के साथ सम्पन्न हुई। पर्व के अन्तिम दिन गच्छाधिपतिश्री ने बारसा सूत्र का वांचन किया एवं सामूहिक साम्वत्सरिक प्रतिक्रमण कर सभी ने एक-दूसरे से क्षमायाचना की। सर्वप्रथम लाभार्थी श्री समरथमलजी सुराणा परिवार ने श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धाम व जैन मन्दिर के पट खोल कर भगवान को खमाया व क्षमा-याचना की।

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में नगर में वृहद् स्तर पर तपस्याएँ हुई। सौलह, ग्यारह, नौ, आठ, पाँच, अट्ठम तप और एक उपवास से अधिक उपवास करने वाले 100 तपस्वीरत्नों का जैन श्रीसंघ द्वारा बहुमान किया गया एवं लाभार्थी श्री शैनेन्द्र, हर्ष कटरिया परिवार द्वारा पारणा करवाया गया।

गच्छाधिपतिश्री आराधकों को क्रिया कराते

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में भव्य उपधान तपाराधना जिसमें प्रथम प्रवेश दिनांक 7 सितम्बर 2019, द्वितीय प्रवेश 9 सितम्बर 2019 को प्रारम्भ हुई। उपधान के आराधकों की स्थयात्रा-वरघोड़ा दिनांक 22 अक्टूबर 2019 को निकाली जायेगी तथा मोदमाला दिनांक 23 अक्टूबर को पहनाई जायेगी। पुण्यशाली आराधकों को उपकरण की सम्पूर्ण कीट प्रदान की गई।

गच्छाधिपतिश्री वासक्षेप कराते

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने संयम यात्रा का प्रारम्भ करते हुए गच्छाधिपतिश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के दर्शन-वन्दन करते हुए क्षमायाचना की। गच्छाधिपतिश्री से चर्चा करते हुए परिषद् पदाधिकारियों ने उचित मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए आशीर्वाद लिया।

पर्वाधिराज पर्युषण के पश्चात् धर्मदिवाकरश्री के दर्शन-वन्दन करने पिपलौदा में प्रतिदिन श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। इसी क्रम में राणापुर से 52 सदस्यों के साथ श्रीसंघ का आगमन हुआ। दलौदा से पाठशाला के बच्चों ने दर्शन-वन्दन कर गच्छाधिपतिश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। पारा, टाण्डा, नागदा, रतलाम, इन्दौर, राजगढ़, कुक्षी आदि से श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन दर्शन-वन्दन हेतु हुआ।

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में दिनांक 9-10 नवम्बर को पिपलौदा में अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक-महिला-तरुण-बालिका परिषद् का दो दिवसीय संयुक्त अधिवेशन आयोजित किया जायेगा। संयुक्त अधिवेशन का प्रथम उद्घाटन सत्र 9 नवम्बर 2019 को प्रातः 8.30 बजे प्रभात फेरी से होगा। अधिवेशन में देश भर में कार्यरत शाखाओं के प्रतिनिधि पधारेंगे।

## आचार्यदेवश्री की निश्रा में तपाराधना के साथ सामूहिक क्षमायाचना श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन

धानेरा, (स. सं),

प. पू. पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की शुभनिश्रा में विविध चातुर्मासिक आराधनाओं में पर्वाधिराज पर्युषण की आराधना हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि धानेरा नगर में पर्युषण पर्व पर आचार्यदेवश्री की निश्रा में 65 गुरुभक्तों ने चौसठ प्रहरी पौषध के साथ आराधना की। पर्व के उपलक्ष्य में तपस्वीरत्नों ने अट्ठम तप, अट्ठाई, उपवास, बियासणा, एकासन, आयम्बिल आदि की तपस्याएँ निर्विघ्न सम्पन्न की।

आचार्यदेवेशश्री बारसा सूत्र वांचन करते

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरुमन्दिर, धानेरा द्वारा आयोजित पर्युषण पर्व के अन्तिम दिन बारसा सूत्र का वांचन किया गया। आचार्यदेवेशश्री की सद्प्रेरणा से 107 वर्ष पूर्व मुद्रित 'चर्चाचक्रवर्ती आचार्य श्रीधनचन्द्रसूरिजी महाराज का संक्षिप्त जीवन चरित' ग्रन्थ की द्वितीयावृत्ति का लोकार्पण श्री मूलचन्दजी बालगोता, मेंगलवा-दिल्ली, श्री काजूमलजी कोमता-संघवी-भीनमाल, श्री माँगीलालजी सेठ-उम्मेदाबाद-गोल, श्री नेमीचन्दजी गोवाणी-चौराऊ, धानेरा श्रीसंघ के अग्रणी वयोवृद्ध श्री गिरधरभाई मेहता, संघ अध्यक्ष श्री सुबोधभाई मेहता, संघ ट्रस्टी श्री कीर्तिभाई, वकील सा. श्री रसिकभाई सवाणी, श्री पोपटभाई सवाणी, सामाजिक कार्यकर्ता श्री महेन्द्रभाई दरबार आदि द्वारा किया गया। इस ग्रन्थ के संयोजक-संशोधक व्याख्यान-वाचस्पति मुनिश्री यतीन्द्रविजयजी महाराज थे। श्री यतीन्द्र वाणी प्रकाशन, मोटेरा-अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित अनुपलब्ध इस ग्रन्थ के मुद्रण का लाभ श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ एवं श्री राजेन्द्रसूरीश्वर गुरु मन्दिर, धानेरा ने लिया। साम्वत्सरिक प्रतिक्रमण कर आचार्यदेवेशश्री, साधु-साध्वियों एवं श्रावक-श्राविकाओं ने परस्पर एक-दूसरे से क्षमायाचना की।

लोकार्पण करते अतिथि

पर्वाधिराज पर्युषण की अष्टदिवसीय आराधना के अन्तर्गत प्रतिदिन पूजन, रात्रि में संगीत की स्वरलहरियों के साथ भक्ति-भावना, प्रतिक्रमण आदि कार्यक्रम हुए। जिनालय में प्रतिदिन प्रभु एवं गुरुदेव की मनमोहक अंगरचना की गई।

पर्युषण पर्व के पश्चात् आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द के वन्दनार्थ-दर्शनार्थ नित्य श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है। इसी क्रम में दिनांक 7 सितम्बर 2019 को अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशजी धरू, राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, राष्ट्रीय शिक्षामन्त्री श्री भरतभाई, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी श्री ब्रजेशजी बोहरा आदि प्रातः धानेरा पहुँचे।

(शेष पृष्ठ 2 पर)


bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

# आचार्यश्री की निश्रा में.... (शेष । पेज का)

परिषद् पदाधिकारियों का बहुमान

प्रवचन में परिषद् परिवार की ओर से उपस्थित आचार्य भगवन्तश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द को वन्दन-दर्शन कर सम्वत्सरिक क्षमापना की । त्रिस्तुतिक जैन संघ धानेरा के प्रमुख श्री सुबोधभाई मेहता, अरविन्दभाई, कीर्तिभाई, पारसमलजी आदि ने माला, शॉल एवं श्रीफल से सभी का बहुमान किया ।

### वाली संघ का दर्शनार्थ आगमन

वाली जिला जालोर (राज.) के श्री माँगीलालजी, मनोहरमलजी एवं मोहनलालजी आदि दर्शनार्थ पधारे । दर्शन-वन्दन कर सम्वत्सरिक क्षमापना की । वाली में नूतन निर्मित श्री सम्भवनाथ जैन मन्दिर की प्रतिष्ठा मुहूर्त्त विक्रम सम्वत् 2076, मगसर वदि 6, दिनांक 18-11-2019 का घोषित किया । इसी समय नूतन निर्मित उपाश्रय का भी उद्घाटन किया जायेगा ।

### आचार्यदेवेशश्री से रेवतड़ा संघ प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिष्ठा विनती

रेवतड़ा, जिला जालोर (राज.) से 25 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल दर्शन-वन्दन करने धानेरा पधारे ।

सायं 5.30 बजे पहुँचकर आचार्य भगवन्त के दर्शन-वन्दन करके उपस्थित सभी संघ सदस्यों ने जीर्णोद्धारित श्री आदिनाथ जिनालय की प्रतिष्ठा करने हेतु आग्रह पूर्ण विनती की । पूज्य आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म.सा. ने पिपलौदा बिराजित गच्छाधिपतिश्री को विनती करने हेतु आदेश प्रदान किया । वहाँ प्रतिष्ठा की विनती कर पुनः आकर मिलने हेतु कहा । माँगलिक श्रवण कर सायं 7 बजे सभी ने प्रस्थान किया ।

### चैन्नई संघ प्रतिनिधि चातुर्मासार्थ विनती करने पधारे

प. पू. पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की सेवामें आगामी सन् 2020 का चातुर्मास चैन्नई (तमिलनाडु) में करने हेतु विनती लेकर श्री राजेन्द्रसूरीश्वर जैन ट्रस्ट, चैन्नई से प्रतिनिधि मण्डल संघ अध्यक्ष श्री कान्तिलालजी पीपाजी गाँधी के नेतृत्व में धानेरा पहुँचा ।

विनती प्रस्तुत करते चैन्नई प्रतिनिधि मण्डल

व्याख्यान में श्री शान्तिलालजी भण्डारी (टाईगर) ने आग्रहपूर्ण चातुर्मास की विनती की । पूज्य आचार्यश्री ने दक्षिण भारत की ओर विहार करने की भावना व्यक्त करते हुए क्षेत्रकाल भाव देखकर चातुर्मास करने की बात कही । श्रीसंघ की ओर से प्रभावना वितरीत की गई ।

आचार्यदेवेशश्री के दर्शन-वन्दन एवं क्षमायाचना करने गुरुभक्तों आगमन धानेरा में प्रतिदिन हो रहा है । धानेरा संघ साधर्मिक भक्ति का सुन्दर लाभ ले रहा है ।

## योगी-वाणी

ज्ञान से शब्द समझ आते है और अनुभव से अर्थ समझ आते हैं ।

परन्तु मन की आदत बहुत अजीब है, पसन्द करे तो बुराई नहीं देखता है और नफरत करे तो अच्छाई नहीं देखता है ।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें ।
**कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991**
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

# धानेरा में चैत्य परिपाटी आयोजित

धानेरा (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. से ऊँझा स्थित श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा मुहूर्त्त लेने हेतु श्री राजेन्द्रसूरि आराधनाट्रस्ट ऊँझा के प्रतिनिधि धानेरा पधारे और भावपूर्वक विनती प्रस्तुत की ।

आचार्यश्री मुहूर्त्त प्रदान करते

पूज्य आचार्यदेवेश श्री ने शुभ प्रतिष्ठा मुहूर्त्त- माघ शुक्ला 6, शुक्रवार दिनांक 31 जनवरी 2020 का प्रदान किया । मुहूर्त्त प्राप्त करते ही प्रतिनिधि मण्डल प्रसन्नता से जयघोष करते हुए नाचने लगे ।

आचार्यदेवेशश्री के दर्शनार्थ आहोर, रेवतड़ा, दाथल आदि नगरों से भी गुरुभक्त दर्शन-वन्दन एवं क्षमापना करने उपस्थित थे ।

# मुनिराजश्री की निश्रा में पर्वाराधना

अहमदाबाद (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री जिनागमरत्नविजयजी म. सा. की निश्रा में पर्युषण पर्व की आराधना हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई । मुनिराजश्री ने पर्व पर प्रतिदिन प्रातः और दोपहर में लगभग 5 घण्टे प्रवचन प्रदान किया जिसके श्रवण का लाभ अहमदाबाद श्रीसंघ ने दोनों समय लिया ।

मुनिराजश्री की निश्रा में विभिन्न आराधनाएँ हुई जिसमें नवकार जाप आराधक 550, संवत्सरी अट्ठम 450, लोच 40, अट्ठाई या इसके ऊपर की तपस्या 200 और मोटेरा में 65 प्रहरी श्राविका पौषध 100 हुए । चौंसठ प्रहरी श्रावक पौषध 55 हुए जिसमें प्रतिदिन पौषार्थी के साथ रात्रि को शास्त्रीय चर्चा हुई । पिछले कितने ही समय से एकासन से कम तप एक भी मुनिश्री नहीं करते थे । श्री सुधर्मसेनविजयजी म. सा. ने अट्ठाई तप किया और प्रतिदिन सारी क्रियाएँ खड़े-खड़े की । इस चातुर्मास की विशेषता रही कि एक भी दिन संगीतकार या स्टेज कार्यक्रम नहीं हुआ सिर्फ शुद्ध चारित्र पालन और प्रवचन से जागृति का शंखनाद किया ।

# साध्वीश्री शशिप्रभाश्रीजी का कालधर्म

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट की आज्ञानुवर्तिनी पू. सा. की सुशिष्या पू. म. का सूरत गुजरात में नवकार मन्त्र का स्मरण कालधर्म हो गया ।

पालखी को कन्धा देने परिवार द्वारा किया गया । संस्कार दिनांक 10-9-2019 को किया गया ।

गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय साध्वीश्री महिलाश्रीजी म. साध्वीश्री शशिप्रभाश्रीजी दिनांक 9-9-2019 को करते-करते समाधिपूर्वक

एवं देह विलोपन लाभार्थी पू. साध्वीश्री का अन्तिम

यतीन्द्र वाणी परिवार दिवंगत आत्मा को वन्दन करते हुए श्री जिनेश्वरदेव एवं

# परम गुरुभक्त शैलेष का देहावसान

उदयपुर (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय कृपापात्र एवं त्रिस्तुतिक संघ के लाड़ले संगीतकार श्री शैलेषभाई जयन्तीलाल परीख का सूरत नगर में अल्पायु में देहावसान हो गया ।

श्री शैलेषभाई ने अपने मधुर स्वर से अनेक आयोजनों में भक्तिरस की वर्षा करते हुए सभी का मनमोह लिया था । यतीन्द्र वाणी परिवार श्री जिनेश्वरदेव एवं दादा गुरुदेव से अभ्यर्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं परिवारजन को धैर्य व सम्बल प्रदान करावें ।

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222

# साध्वीश्री की निश्रा में अष्टदिवसीय आराधना एवं चैत्य परिपाटी

थराद (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. तपस्वीरत्ना साध्वीश्री शशिकलाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री दिव्यदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में थराद (थिरपुर) नगर में चल रहे चातुर्मास के अन्तर्गत अष्टदिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण में जप-तप एवं ज्ञान की अनुपम आराधना हुई।

पर्युषण के अन्तिम दिन सांवत्सरिक प्रतिक्रमण कर सभी ने एक-दूसरे से क्षमायाचना की। पर्युषण के कर्त्तव्य रूप दिनांक 8-9-2019 को ग्यारह जिनालयों के दर्शन, पूजा, चैत्यवन्दन एवं सभी जिनालयों में सुन्दर उपकरणों को भेंट करने हेतु भव्य चैत्य परिपाटी का आयोजन किया गया।

साध्वीश्री आदि ठाणा की निश्रा में चैत्य परिपाटी श्री राजराजेन्द्र ज्ञान मन्दिर-बड़ा उपाश्रय से प्रारम्भ होकर बाजे-गाजे के साथ श्री मोटा महावीरस्वामीजी, श्री अभिनन्दनजी, गुरु मन्दिर, श्री विमलनाथस्वामीजी-देसाई सेरी, श्री मुनिसुव्रतस्वामीजी-चकली सेरी, श्री शान्तिनाथजी-सुथारा सेरी, श्री विमलनाथस्वामीजी-आम्बली सेरी, श्री सुपार्श्वनाथजी-आम्बली सेरी, श्री गौड़ीजी पार्श्वनाथजी-सोनार सेरी, श्री सुमतिनाथजी-राजेन्द्रनगर सोसायटी एवं श्री सकल तीर्थ-वरखडी धाम के दर्शन-पूजन-चैत्यवन्दन करके धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। धर्मसभा में साध्वीश्री ने चैत्य परिपाटी विषयक प्रवचन प्रदान किया।

धर्मसभा के पश्चात् सकल श्रीसंघ का स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया जिसका सम्पूर्ण लाभ अदाणी जासूदबेन खेमचन्दभाई, मलुकचन्दभाई परिवार ने लिया। श्री थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा आयोजित इस चैत्य परिपाटी में विशाल संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन-वन्दन का लाभ लिया।

# पर्युषण पर्व पर अनेक आयोजन

करवड़ (स. सं.),

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री तत्त्वलताश्रीजी म. सा. के आशीर्वाद से करवड़ नगर में पर्युषण पर्व अनेक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया।

मुम्बई से पधारे स्वाध्यायी श्री सन्दीपभाई के सान्निध्य में आठों दिन प्रातः प्रतिक्रमण, गुरु गुण इक्कीसा, केसर पूजा, सायं प्रतिक्रमण, प्रभु भक्ति, अंगरचना एवं आरती के सामूहिक कार्यक्रम किये गये। पर्वाधिराज में 5 दिनों तक प्रातः एवं दोपहर कल्पसूत्र का वांचन हुआ।

चौथे दिन कल्पसूत्र ले जाने का लाभ श्री राजमलजी भण्डारी परिवार ने, धूप-वासक्षेप पूजा का लाभ श्री चौथमलजी भरगट ने एवं अष्टप्रकारी पूजन का लाभ श्री अनिलजी बाफना ने लिया।

आठों दिन बालिका मण्डल ने प्रभु एवं गुरुदेव की सुन्दर अंगरचना की। भगवान के पालनाजी का घर ले जाने का लाभ श्री कमलेशजी भण्डारी परिवार ने लिया और उनके निवास स्थल पर भक्ति की गई। प्रभु वीर के जन्म वांचन के दिन स्वामीवात्सल्य का लाभ श्री प्रकाशचन्द्रजी राजेशजी भण्डारी परिवार ने लिया।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ द्वारा आयोजित पर्व के अन्तिम दिवस श्रीसंघसे क्षमायाचना करने का लाभ श्री राजमलजी भण्डारी परिवार ने लिया तथा पारणे का लाभ श्री जवाहरलालजी भण्डारी ने लिया। भगवान से क्षमायाचना का लाभ श्री अशोकजी ने और स्वामीवात्सल्य का लाभ श्री अनिलजी बाफना व श्री कमलेशजी भण्डारी ने लिया। नगर में अनेक तपस्याएँ हुई जिसमें उपवास, अट्ठमतप, एकासना, बियासना आदि की अनेक तपस्या की गई।

श्रीसंघ करवड़ की ओर से स्वाध्यायी श्री सन्दीपभाई, भायन्दर का बहुमान किया गया।

**नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक**

**नोट- 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक प्राप्त करने के लिए आप अपना पूर्ण पता मय पिन कोड एवं मो. नं. के साथ निम्न चलभाष नम्बर पर वाटसप करें।**
**09426285604, 09413763991**

# पाटण में जैन एकता का दिग्दर्शन

पाटण (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की शुभनिश्रा में पाटण (गुजरात) में श्री त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा आयोजित चातुर्मास विविध धार्मिक आयोजनों के साथ चल रहा है।

पर्युषण पर्व सम्पन्न होने के पश्चात् निकलने वाली रथयात्रा नगर के सभी संघों ने संयुक्त रूप से निकाली। रथयात्रा में नगीनभाई पौषधशाला, सागर जैन उपाश्रय एवं त्रिस्तुतिक जैन उपाश्रय के तीनों संघ के परमात्मा के रथ एक साथ चल रहे थे। जिससे तिथि और समुदाय से उठकर जैन एकता के दिग्दर्शन हुए।

इस रथयात्रा में श्री ऊँकारसूरि समुदायवर्ती पंन्यासश्री मोक्षेशविजयजी म. सा., श्री जयन्तसेनसूरि समुदायवर्ती मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., श्री सागरानन्दसूरि समुदायवर्ती मुनिराजश्री ऋषभचन्द्रसागरजी म. सा., श्री रामचन्द्रसूरि समुदायवर्ती मुनिराजश्री रत्नसुन्दरविजयजी म. सा., श्री प्रेमसूरि समुदायवर्ती मुनिराजश्री नयशेखरविजयजी म. सा. आदि ठाणा एकता का परिचय देते हुए अपनी निश्रा प्रदान की। रथयात्रा में विभिन्न समुदायों के साध्वी भगवन्त भी पधारे तथा सभी समुदायों के लोग उपस्थित थे।

इस एकता का शुभारम्भ पिछले चातुर्मास में मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. की प्रेरणा से हुआ था जब मुनिराजश्री की निश्रा में त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण के द्वारा चैत्य परिपाटी का आयोजन किया गया तब मुनिराजश्री ने प्रेरणा प्रदान की थी कि पाटण में विराजमान सभी समुदाय के साधु-साध्वी भगवन्तों की निश्रा में और पाटण के समस्त श्रीसंघों के संयुक्त तत्वावधान में इस चैत्य परिपाटी का आयोजन किया जाये। उस समय सभी की एकता से भव्य चैत्य परिपाटी का सफल आयोजन रहा और उसके पश्चात् अभी तक अनेक कार्यक्रमों में पाटण में श्रीसंघ की एकता के दिग्दर्शन हुए हैं।

# परिषद् तपस्वियों का बहुमान

धार (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव एवं पट्टधरद्वय के शुभाशीर्वाद से धार नगर में महिला परिषद् के तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुए बहुमान किया गया।

परिषद् की राष्ट्रीय महामन्त्री श्रीमती पद्मा सेठ के सान्निध्य में धार महिला परिषद् अध्यक्ष श्रीमती लताजी, सचिव श्रीमती विनीताजी एवं बालिका परिषद् अध्यक्ष अर्पिता ने तपस्वियों का अभिनन्दन करते हुए बहुमान किया।

# पाठशाला के बच्चों को पुरस्कार वितरीत

दलौदा (स. सं.),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव की प्रेरणा एवं शुभाशीर्वाद से बीस वर्षों से अनवरत मध्यप्रदेश प्रान्तीय शिक्षामन्त्री श्रीमती संगीता पोरवाल के माता-पिता इन्दौर निवासी स्व. श्री सागरमलजी कमलाबाई की स्मृति में श्री आनन्दीलालजी शैलेश अम्बोर की ओर से राइय-देवसिय व पंच प्रतिक्रमण कण्ठस्थ करने वाले बच्चों को 500 रुपये की राशि प्रदान की जाती है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 500 रुपये की राशि प्रत्येक बच्चे को प्रदान की गई।

**जैन समाज का लोकप्रिय एवं सबसे अधिक संख्या में प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक**

**यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।**

## धानेरा में पर्युषण की चित्रमय झलक

## धानेरा में चैत्य परिपाटी आयोजित

धानेरा (स. सं.),

चर्चाचक्रवर्ती आचार्यदेवश्री धनचन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. की पाटगादी भूमि धानेरा में दिनांक 10-9-2019 को चातुर्मासार्थ विराजित प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की शुभ निश्रा में प्रातः 9 बजे लाधाणी उपाश्रय से चैत्य परिपाटी प्रारम्भ हुई। श्री सवाणी परिवार निर्मित आदिनाथ जिनमन्दिर, श्री राजेन्द्रसूरि गुरुमन्दिर, श्री अजित-शान्तिनाथ जिनमन्दिर, पारस सोसायटी




स्थित श्री शीतलनाथ जिनमन्दिर दर्शन कर प्रगति नगर सोसायटी पहुँचने पर वीशा ओसवाल राजस्थान जैन संघ धानेरा द्वारा भव्य सामैया किया गया। महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर अक्षत से गहुँली कर आचार्य भगवन्त को वधाया।

चैत्य परिपाटी श्री शीतलनाथ जिनमन्दिर में सामूहिक चैत्यवन्दन कर उपाश्रय में जाकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। पूज्य आचार्य भगवन्त ने मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डालते कहा कि हमें इसको सफल बनाने के लिए धर्म के मार्ग पर अग्रसर होना पड़ेगा और धर्म का आलम्बन लेकर प्रगति करने की बात कही।

अन्त में प्रगति नगर संघ, त्रिस्तुतिक संघ धानेरा एवं अचलगच्छ जैन संघ भीनमाल की ओर से प्रभावना वितरीत की गई। भीनमाल अचलगच्छ संघ के वयोवृद्ध अग्रणी श्री घेवरचन्दजी सेठ एवं श्री मोहनलालजी सेठ का बहुमान किया गया। प्रगति नगर जैन संघ की ओर से स्वामीवात्सल्य किया गया। आबाल वृद्ध सभी ने इसमें भाग लिया।

**आत्मीय निवेदन**

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

### श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

✲ रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक ✲

SCAN ME

http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur | bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222 | www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4 | BTveer





श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

# यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
**पंकज बी. बालड़**

स. सम्पादक
**कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'**

प्रधान कार्यालय
**श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार**
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

**सदस्य शुल्क**

| | |
|---|---|
| संरक्षक सं. | 11000/- रुपये |
| सदस्य सं. | 7100/- रुपये |
| आजीवन ग्राहक | 1000/- रुपये |
| एक प्रति | 5/- रुपये |

**विज्ञापन दर**

| | |
|---|---|
| प्रथम पूरे पृष्ठ के - | 5100/- रुपये |
| अन्य पूरे पृष्ठ के - | 2100/- रुपये |
| अन्तिम पूरे पृष्ठ के - | 3100/- रुपये |
| अन्दर के एक चौथाई के - | 801/- रुपये |

विशेष सूचना-प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजे।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th of every month.' Published 1st & 15th of every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.......................................................
.......................................................
.......................................................

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित

bhandavpur@gmail.com BTveer www.bhandavpur.com
/bhandavpur +91-7340009222